प्रवासी राजस्थानियों ने प्रतिभा, परिश्रम और उद्यमशीलता से विश्वभर में पहचान बनाई : भजनलाल शर्मा

नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर केंद्रित-भूपेंद्र यादव

जयपुर में प्रवासी राजस्थान दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के अंतर्गत सीतापुरा स्थित जेईसीसी में शिक्षा क्षेत्र में अवसर, निवेश और चुनौतियों पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, सीएम भजनलाल शर्मा आदि मौजूद थे।

- शिक्षा, कौशल, नवाचार और अनुसंधान आधुनिक अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ
- प्रवासी राजस्थान दिवस में शिक्षा पर विशेष सत्र आयोजित

जयपुर। प्रवासी राजस्थान दिवस के राज्य स्तरीय समारोह के अंतर्गत सीतापुरा स्थित जेईसीसी में शिक्षा क्षेत्र में अवसर, निवेश और चुनौतियों पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। मुख्यमंत्रीभजनलाल शर्माने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने अपनी प्रतिभा, परिश्रम और उद्यमशीलता से विश्वभर में पहचान बनाई है। उन्होंने प्रवासियों से अपील की कि वे अपनी विशेषज्ञता को मातृभूमि के विकास से जोड़ें, ताकि राज्य के युवाओं को वैश्विक स्तर के अवसर सुलभ हो सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी में ज्ञान ही वास्तविक संपत्ति है और शिक्षा, कौशल, नवाचार तथा अनुसंधान आधुनिक अर्थव्यवस्था के चार प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार युवाओं के लिएअर्ली कैरियर प्रोठाम टेकबी,आई-स्टार्ट कार्यक्रम का विस्तार,स्टार्टअप पॉलिसी ,एवी जी सी-एक्सआर पॉलिसी,सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंगऔरस्टेट स्किल पॉलिसीजैसे कदम उठाकर नई संभावनाएँ तैयार कर रही है। पिछले दो वर्षों में 71 नए महाविद्यालय और 21 पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलकर शिक्षा के बुनियादी ढाँचे को नई ऊर्जा मिली है।

विशेष सत्र की अध्यक्षता करते हुए केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रीभूपेंद्र यादवने कहा कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में हमेशा अठाणी रहा है। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को 'प्रोडक्ट' नहीं, बल्कि 'पर्सनैलिटी' के रूप में तैयार करने पर जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।उपमुख्यमंत्रीडॉ. प्रेमचंद बैरवाने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन से प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हो रहा है। शिक्षामंत्रीमदन दिलावरने प्रवासी राजस्थानियों और भामाशाहों से शिक्षा में निवेश की अपील करते हुए कहा कि यह देश के भविष्य में निवेश है। उन्होंने विद्यालयों में स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और विज्ञान-गणित किट जैसी सुविधाओं के विस्तार की जानकारी दी।सत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव उच्च व तकनीकी शिक्षाकुलदीप रांकाने राजस्थान की उच्च और स्कूल शिक्षा का विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया। पैनल डिस्कशन में एमिटी यूनिवर्सिटी के चांसलरडॉ. असीम चौहान, फिजिक्सवाला के सह-संस्थापकप्रतीक माहेश्वरी, जोधपुर के निदेशकअविनाश कुमार अठावाल, आनंद राठी ठ्रुप के चेयरमैनआनंद राठी, पिलानी के प्रो.वी. रामगोपाल रावऔर उदयपुर के निदेशकअशोक बनर्जीने अपने-अपने विचार साझा किए।अंत में स्कूल शिक्षा सचिवकृष्ण कुणालने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मानसून में क्षितठास्त स्कूल भवनों के पुनर्निर्माण के लिए भामाशाहों से सहयोग की अपील की। यह विशेष सत्र प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव और राज्य की शिक्षा नीति को जोडने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

हाईकोर्ट परिसर में बम धमाके की लगातार तीसरे दिन भी मिली धमकी

- सप्ताह की शुरुआत से लेकर रोजाना ऐसी धमकी भरा ईमेल मिल रहा है।

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट में लगातार तीसरे दिन भी बम विस्फोट करने की धमकी मिली है। इस सप्ताह की शुरुआत से लेकर रोजाना ऐसी धमकी भरा ईमेल मिल रहा है। धमकी की जानकारी मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने मुकदमों की सुनवाई करीब एक घंटे के लिए टाल दी है। दूसरी ओर बम विस्फोट की धमकी को देखते हुए गुरुवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के होने वाले चुनाव में प्रशासन से अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की गई है। पूर्व की तरह धमकी की सूचना मिलने के बाद उच्चाधिकारियों को इसकी जानकारी देकर परिसर की जांच की गई। इस दौरान वकीलों और पक्षकारों सहित अन्य सभी को मुख्य परिसर से बाहर कर तलाशी अभियान आरंभ किया गया।

हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना मिलते ही पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की ओर से पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की गई। वहीं हाईकोर्ट के मुख्य परिसर से न्यायिक कर्मचारियों, अधिवक्ताओं व पक्षकारों को बाहर निकाला गया है। मौके पर किसी भी अनहोनी ने निपटने के लिए फायर बिठोड और एंबुलेंस तैनात की गई है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा का कहना है कि हाईकोर्ट परिसर में सुरक्षा के माकूल इंतजाम किए गए हैं, लेकिन अब यह गंभीर मुद्दा बन चुका है कि रोजाना कौन यहां बम विस्फोट की धमकी दे रहा है। इसके पीछे किसी खास मुकदमे की सुनवाई टालना है या रोजाना धमकी देकर प्रशासन को इसके प्रति उदासीन कर बाद में कोई बड़ी घटना अंजाम देने की योजना है। शर्मा का कहना है कि हाईकोर्ट बहुत संवेदनशील स्थान है और कई अहम मुद्दों की यहां सुनवाई होती है। ऐसे में जांच एजेंसी को चाहिए की वह तत्काल यह पता लगाए कि आखिर इस तरह की धमकी कौन दे रहा है और इसके पीछे क्या उद्देश्य है।हाईकोर्ट प्रशासन को सबसे पहले गत 31 अक्टूबर को बम विस्फोट की पहली धमकी मिली थी। इसके बाद एक माह की शांति के बाद 5 दिसंबर को दूसरी धमकी मिली। वहीं बीते 8 दिसंबर से रोजाना ही हाईकोर्ट प्रशासन को इस तरह की धमकी मिल रही है।

इसी तरह सेशन कोर्ट को भी अब तक दो बार बम विस्फोट की धमकी मिल चुकी है। हर बार मेल मिलने के बाद मुकदमों की सुनवाई बीच में बंद कर दी जाती है और कोर्ट परिसर खाली करा लिया जाता है। जिससे एक और भय का माहौल पैदा हो गया है, वहीं मुकदमों की सुनवाई भी प्रभावित होती है।

नई राजस्थान पर्यटन नीति एक दूरदर्शी दस्तावेज़ : मुख्यमंत्री

- राजस्थान सरकार द्वारा बुधवार को प्रवासी दिवस के अवसर पर राज्य की महत्वाकांक्षी नई राजस्थान पर्यटन नीति-2025 को औपचारिक रूप से जारी किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित जेईसीसी परिसर में आयोजित पर्यटन सत्र के दौरान इस नीति का विमोचन किया

जयपुर। राजस्थान सरकार द्वारा बुधवार को प्रवासी दिवस के अवसर पर राज्य की महत्वाकांक्षी नई राजस्थान पर्यटन नीति-2025 को औपचारिक रूप से जारी किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित जेईसीसी परिसर में आयोजित पर्यटन सत्र के दौरान इस नीति का विमोचन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रवासी राजस्थानी समुदाय तथा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े प्रमुख हितधारक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह नीति राजस्थान के पर्यटन विकास को नई दिशा देने वाला एक दूरदर्शी दस्तावेज़ है, जो राज्य को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अठाणी स्थान दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई पर्यटन नीति निवेश, नवाचार, रोजगार और सामुदायिक सहभागिता को नई गति देगी। यह नीति विकसित राजस्थान 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों एवं हितधारकों से इस नीति को सफल बनाने के लिए सक्रिय सहयोग का आ ान किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन नीति की अनुपालना हेतु एक समर्पित नीति कार्यान्वयन इकाई स्थापित की जाएगी ताकि पर्यटन नीति में उल्लेखित सभी बिंदुओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि नई राजस्थान पर्यटन नीति-2025 के जरिए राज्य सरकार का लक्ष्य आगामी वर्षों में राजस्थान को विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी, सुरक्षित और पर्यटक-अनुकूल राज्य के रूप में स्थापित करना है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राजस्थान की संस्कृति, विरासत, कला और प्राकृतिक विविधता को नए युग की पर्यटन आवश्यकताओं से जोड़कर विश्वस्तरीय अनुभव देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह नीति पर्यटन विकास को नयी गति और दिशा देगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति राजस्थान को भारत का सबसे मजबूत, आधुनिक और आकर्षक पर्यटन राज्य बनाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि हर पर्यटक राजस्थान की संस्कृति, मेहमाननवाज़ी और विविधता भरे अनुभवों से समृद्ध होकर लौटे।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि यह नीति राज्य में पर्यटन के विस्तार, रोजगार सृजन, डिजिटल सुविधा, धार्मिक-सांस्कृतिक सर्किट, एस्ट्रो-टूरिज्म, एडवेंचर और वेलनेस टूरिज्म जैसे नए क्षेत्रों को गति देने वाला व्यापक रोडमैप साबित होगी।

नई नीति के तहत राज्य सरकार ने पर्यटन ढांचे को पूर्णतया आधुनिक, सुरक्षित, निवेश-अनुकूल और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लक्ष्य निर्धारित किए हैं। यह नीति सिर्फ एक नीतिगत डॉक्यूमेंट ही नहीं बल्कि यह हमारे राज्य को एक वैश्विक पर्यटन महाशक्ति में बदलने का हमारा रोडमैप है। उन्होंने कहा कि हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट है की पर्यटन के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए पर्यटन के सभी आयामों जैसे पर्यटक सुविधाओं, मार्केटिंग एवं प्रमोशन, मेले एवं त्योहार, पर्यटन निवेश, पर्यटन में आईटी, डिजिटल एवं एआई, कौशल विकास, युवाओं को पर्यटन क्षेत्र में रोजगार आदि पर लक्ष्य निर्धारित कर कार्य किया जाएगा।राज्य सरकार ने पर्यटन परियोजनाओं को तेजी से गति देने के लिए पीपीपी मॉडल और इज ऑफ डूइंग बिजनेस को केंद्र में रखा है। सभी अनुमतियों के लिए सिंगल वेब पोर्टल, पर्यटन व्यवसायों की ठोडिंग और गतिविधि निगरानी के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा। पर्यटन व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष राजस्थान पर्यटन पुरस्कार दिए जाएंगे। छात्रों को पर्यटन कोर्स व कौशल कार्यक्रमों के लिए स्कॉलरशिप, तथा पर्यटन उद्यमों को ट्रेनिंग-स्किल इंसेंटिव उपलब्ध कराया जाएगा।

चुनिंदा जिलों में स्पेशल टूरिज्म जोन (एसटीजेड) प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर स्थापित किए जाएंगे, जहाँ आधारभूत संरचना सरकार और आतिथ्य सेवाएँ निजी क्षेत्र विकसित करेगा।कृष्ण गमन पथ और बृज-द्वारका तीर्थ मार्ग के तहत राजस्थान के प्रमुख मंदिरों में यात्री सुविधाएँ बढ़ाई जाएँगी।

वन विभाग और देवस्थान विभाग के सहयोग से धार्मिक और वन्यजीव-आधारित टूरिज्म हब भी विकसित किए जाएंगे।सरकार ऐतिहासिक स्मारकों का थ्रीडी लेजर स्कैन, वीआर अनुभव, डिजिटल संठाहालय और लाइट-एंड-साउंड शो विकसित करेगी। नई पर्यटन फ़िल्में, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सहयोग और डिजिटल प्रचार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पर्यटकों को बेहतर डिजिटल सुविधा देने के लिए नया राजस्थान पर्यटन वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, चैटबॉट, डिजिटल मैप व गाइडबुक लॉन्च किए जाएंगे।

प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पर्यटन विकास समिति (डीटीडीसी) द्वारा पर्यटन स्थलों के संचालन और प्रबंधन के लिए डेस्टिनेशन मैनेजमेंट ऑर्गेनाइजेशन (डीएमओ) के रूप में भी कार्य किया जाएगा।

पीक सीजन में समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए ये समितियाँ नियमित बैठकें आयोजित करेंगी।

राज्य के प्रमुख पर्यटन शहरों में हॉप ऑन-हॉप ऑफ बस सेवा, एयरपोर्ट-रेलवे-बस स्टैंड पर प्रीपेड टैक्सी बूथ, ई-सेगवे, रेंटल साइकिल और गाइडेड ई-वाहन सेवाएँ शुरू की जाएँगी। पर्यटकों को सभी परिवहन साधनों में एकीकृत सुविधा देने के लिए राजस्थान ट्रैवल कार्ड भी लाया जाएगा।

इस अवसर पर श्री झाबर सिंह खर्रा, राज्य मंत्री (नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन), श्री जोराराम कुमावत, मंत्री (पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान), श्रीमती मुग्धा सिन्हा, एमडी आईटीडीसी, श्री प्रवीन गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव (पर्यटन), श्रीमती रुक्मणी रियार, पर्यटन आयुक्त तथा देश-विदेश से जुड़े अनेक पर्यटन उद्यमी, विशेषज्ञ एवं प्रवासी राजस्थानी प्रतिनिधि उपस्थित थे ।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवा सहभागिता आवश्यक : राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार गोष्ठी में वक्ताओं ने विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ बढ़ाने पर जोर दिया

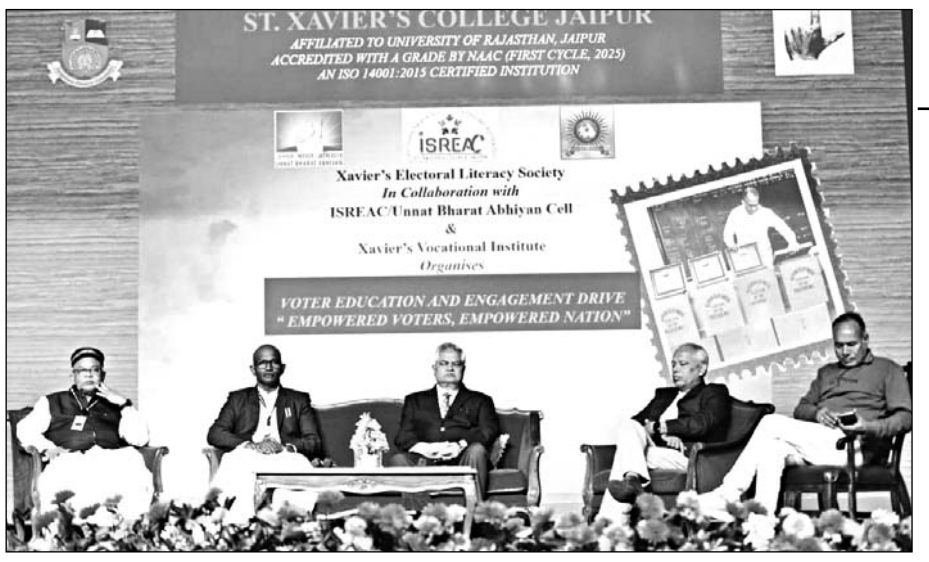

जयपुर में आयोजित संगोष्ठी में राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

- कार्यक्रम में राजेश्वर सिंह ने संबोधन में विद्यार्थियों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के अध्ययन एवं अनुशीलन में प्रवृत्त होने तथा अपनी बुनियादी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित किया

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था और प्रक्रिया का आलोचनात्मक अध्ययन और मूल्यांकन कर इसमें सहभागी बनकर सक्रिय योगदान करना चाहिए ताकि भारतीय लोकतंत्र के स्वातंत्र्य, समता और बंधुत्व के संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप राष्ट्र के सर्वतोमुखी एवं सर्वसहभागी विकास के महान स्वप्न को साकार किया जा सके।

राजेश्वर सिंह ने बुधवार को सेंट ज़ेवियर्स कॉलेज, जयपुर की ज़ेवियर्स इलेक्टोरल लिटरेसी सोसायटी, उन्नत भारत अभियान एवं जेवियर्स वोकेशनल इंस्टीटयूट द्वारा आयोजित मतदान का अधिकार: जनतंत्र का आधार विषयक युवा गोष्ठी में ये बात कही।

कार्यक्रम में राजेश्वर सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, विकास संबंधी मुद्दों तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम के आलोचनात्मक अध्ययन एवं अनुशीलन में प्रवृत्त होने तथा अपनी बुनियादी समझ विकसित करने हेतु प्रेरित किया ताकि वे शिक्षित, सक्षम एवं सुयोग्य जनप्रतिनिधि व दूरदृष्टि संपन्न, क्रियाशील एवं विकासोन्मुखी सरकार का चुनाव कर सकें। उन्होंने कहा कि इसके लिए उन्हें विभिन्न राजनीतिक दलों की नीति , सिद्धान्त, कार्यक्रम, कार्ययोजना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत एवं आलोचनात्मक अध्ययन करना चाहिए ।

उन्हें प्रत्याशियों के व्यक्तिगत व्यवहार, आचरण, जनप्रतिबद्धता, जनसमस्याओं की समझ, तथ्यात्मक एवं तार्किक प्रस्तुतीकरण की क्षमता, शैक्षिणक पृष्ठभूमि तथा आपराधिक अतीत न होने पर भी ध्यान देना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में प्रो. सुधीर सोनी ने वोटर रजिस्ट्रेशन ऐप के बारे में बताया कि यह ऐप युवा मतदाताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाता है।

इसके बाद विद्यार्थियों ने मतदाता शपथ ली जिसमें लोकतांत्रिक मूल्यों को अपनाने और निभाने का संकल्प व्यक्त किया गया। इस सत्र में विद्यार्थियों ने लोकतंत्र और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न पूछकर अपनी समझ को और गहरा किया। सेंट जेवियर कॉलेज के प्राचार्य ने अतिथियों को सम्मान चिन्ह देकर धन्यवाद ज्ञापन किया ।

राजस्थान बन रहा है निवेश स्थान : केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रवासी राजस्थानियों की हर समस्या का समाधान राज्य सरकार की जिम्मेदारी

- प्रवासी भाई-बहन भामाशाह के रूप में विकास में सहयोग के लिए आएं आगे- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा
- एनआरआर पॉलिसी-2025 तथा राजस्थान डेवलपमेंट सपोर्ट पोर्टल का भी शुभारंभ
- प्रवासी राजस्थानियों से प्रदेश के दीर्घकालिक विकास में योगदान देने का किया आव्हान

जयपुर। केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि उद्योग स्थापना के लिए भूमि, ऊर्जा, जल, रॉ मेटेरियल तथा शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण पांच अनिवार्य आधार स्तंभ हैं और सभी आयामों पर मजबूत स्थिति राजस्थान को निवेश स्थान के रूप में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि किफायती एवं पर्याप्त भूमि उपलब्धता, अक्षय ऊर्जा उत्पादन में राष्ट्रीय नेतृत्व, जलापूर्ति संरचना के सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित वातावरण तथा मजबूत सड़क एवं परिवहन तंत्र के कारण राजस्थान निकट भविष्य में देश का सबसे आकर्षक निवेश गंतव्य बनकर उभर रहा है।

गजेन्द्र सिंह बुधवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर आयोजित आगामी एक वर्ष में राजस्थान चैप्टर्स द्वारा प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में योगदान की संभावनाओं के संबंध में आयोजित सेक्टोरल सेशन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि राजस्थान किफायती भूमि उपलब्धता के मामले में अन्य राज्यों की तुलना में निवेशकों के लिए अत्यंत अनुकूल स्थिति प्रस्तुत करता है। ऊर्जा क्षेत्र में राज्य लगातार प्रगति कर रहा है और अक्षय व पवन ऊर्जा में देश में पहले स्थान पर है। इससे उद्योगों को पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है।

उन्होंने कहा कि जल उपलब्धता को लेकर राज्य सरकार द्वारा राम जलसेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता जैसी परियोजनाएं तेज गति से संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से राजस्थान में भविष्य में जल संकट की संभावना नगण्य रहेगी। उन्होंने राज्य की शांतिपूर्ण सामाजिक संरचना, मजबूत कानून-व्यवस्था, उत्कृष्ट सड़क नेटवर्क तथा निरंतर विस्तार हो रहे औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रदेश की प्रमुख ताकत बताते हुए कहा कि ये सभी मिलकर निवेशकों को सुरक्षित, स्थाई और भरोसेमंद वातावरण प्रदान करते हैं। श्री शेखावत ने विकसित राजस्थान 2047 के विजन में देश-विदेश में बसे प्रवासी राजस्थानियों से प्रदेश के दीर्घकालिक विकास में योगदान देने का आ ान किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, लोकपर्व, हस्तशिल्प, धार्मिक आयोजन और ऐतिहासिक धरोहरों में निवेश एवं नवाचार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थान की संस्कृति, परंपराओं और लोकपर्वों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित करने में भारत के दूत की भूमिका निभाई है। उन्होंने दीपावली पर्व को यूनेस्को की अमृत विरासत सूची में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे देश की सांस्कृतिक पहचान के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानी दिवस हमारी साझी विरासत का उत्सव होने के साथ-साथ विचारों के आदान-प्रदान एवं अनुभव साझा करने तथा राजस्थान के भविष्य को और मजबूत बनाने के लिए संवाद का एक खुला मंच है।

उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रवासी राजस्थानियों की हर समस्या का समाधान राज्य सरकार की जिम्मेदारी है।शर्मा ने कहा कि हमने प्रवासी समुदाय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए 'राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मामले विभाग' का गठन किया है। सभी जिलों में प्रवासियों के सहयोग के लिए अधिकारियों को नोडल बनाया गया है। साथ ही, राज्य सरकार ने एनआरआर के लिए एक डैशबोर्ड का निर्माण किया है।

जिसमें प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के गैप एरियाज को चिन्हित किया गया है, ताकि प्रवासी राजस्थानी अपनी मातृभूमि के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सके। उन्होंने आ ान किया कि प्रवासी भाई-बहन सभी क्षेत्रों में भामाशाह के रूप में सहयोग के लिए आगे आए। इस कार्य में भी राज्य सरकार उनका पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में भूमि आवंटन की प्रक्रिया को तेज एवं सरल बनाया गया है और सरकार प्रवासी राजस्थानियों को विकास का भागीदार मानते हुए उनके साथ मिलकर विकसित राजस्थान के लक्ष्य की दिशा में कार्य कर रही है।विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार समठा विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि राज्य सरकार राज्य की हवाई पट्टियों के विकास एवं विस्तार पर निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में नई फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों की स्थापना की जा रही है, जिससे युवाओं को उड्डयन क्षेत्र में प्रशिक्षण और रोजगार के अधिक अवसर प्राप्त होंगे तथा राजस्थान इस क्षेत्र में आधुनिक और तीव्र गति से आगे बढ़ेगा।

कार्यक्रम के दौरान प्रवासी राजस्थानियों के लिए विशेष एनआरआर पॉलिसी-2025 तथा राजस्थान डेवलपमेंट सपोर्ट पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से दुनिया के विभिन्न देशों में बसे प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के विकास कार्यों से सीधे जुड़ने का सशक्त माध्यम उपलब्ध हो सकेगा।

इस दौरान सेशन में डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल चैप्टर की पैनल चर्चा में 11-11 पैनलिस्ट ने भाग लिया। डोमेस्टिक में रांची के अजय मारू, मुंबई चैप्टर के गणपत कोठारी, अहमदाबाद के महेंद्र लोढ़ा, पुणे के मंगलचंद चौधरी, हैदराबाद के पवन बंसल, दिल्ली के रामावतार किला, गुवाहाटी के रतन शर्मा, बेंगलुरु से सचिन पांडिया, कोलकाता से संतोष कुमार पुरोहित, कोयंबटूर के संतोष पटवारी, सूरत के श्याम राठी ने हिस्सा लिया।

इसी प्रकार इंटरनेशनल चैप्टर के पैनलिस्ट में दोहा के अभिषेक जैन, लन्दन के अजय कुमार अग्रवाल, दुबई के अमराराम जांगिड, सिंगापुर के दाऊ दयाल गुप्ता, म्यूनिख से हरगोविंद सिंह राणा, कंपाला के मनीष कल्ला, नेपाल के मोती डूंगर, न्यूयॉर्क के पूर्णिमा बोरिया, नैरोबी के सोनवीर सिंह, टोक्यो के त्रिभुवन खंडेलवाल, रियाद के विजय सोनी ने उपस्थित होकर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग एवं वाणिज्य शिखर अठावाल सहित प्रवासी राजस्थानी, उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 'प्रगति पथ' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम स्थल (जेईसीसी) पर 'प्रगति पथ' प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल तथा केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

प्रदर्शनी में प्रदेश के बदलते औद्योगिक परिदृश्य, जल सुरक्षा एवं सततता, एक जिला-एक उत्पाद, स्वस्थ राजस्थान-खुशहाल राजस्थान, शिक्षित भारत-डिजिटल भारत, राजस्थान रिफाइनरी, खनन क्षेत्र, इन्फ्रा एवं कनेक्टिविटी तथा हमारी विरासत-हमारी पहचान की थीम पर पैनल एवं वीडियो प्रदर्शित किए गए।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस प्रदर्शनी में दर्शायी गई प्रदेश की विकास यात्रा की जानकारियों से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल एवं भूपेन्द्र यादव ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रही प्रगति की सराहना की।